

---

---

---

---

---

---

---

---

I imagine a church where people will experience the joy and fulfillment of using their gifts for God. Where everyone is working together to win friends and family and community.

---

---

---

---

---

---

---

---

Where every time you enter the building you sense the Spirit of God not created by performance of people but by the presence of God. Where all generations and all cultures are working together to reach the city.

---

---

---

---

---

---

---

---

Where children's, youth, and young adult ministry will flourish. Where there will be a standard that we will be challenged to reach. That our goal will be to live actually biblical lives. Where it is fun to be at church.

---

---

---

---

---

---

---

---

Where this is actually my family. Where it will be safe to drop my burden and my mask. Where I will be continually challenged to go deeper..

**WHERE I WILL BE ENGAGED!**

---

---

---

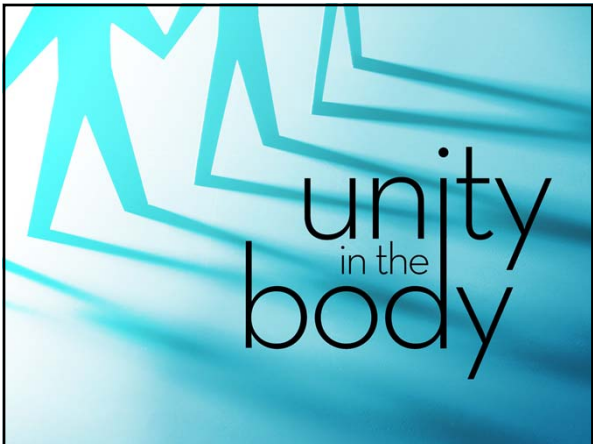
---

---

---

---

---



---

---

---

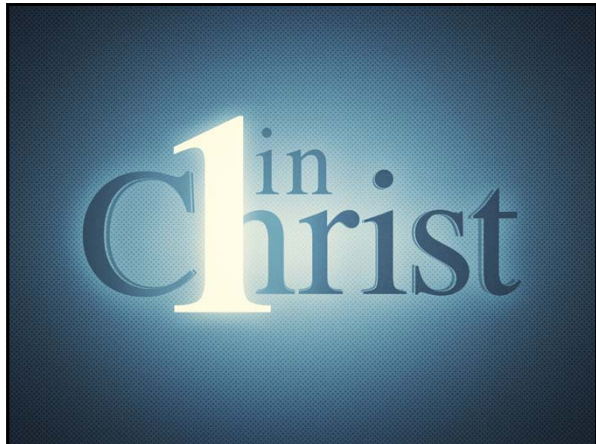
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

**Pleasure of the Father**  
Psalm 133:1 How good and pleasant it is when God's people live together in unity! 2 It is like precious oil poured on the head, running down on the beard, running down on Aaron's beard, down on the collar of his robe. 3 It is as if the dew of Hermon were falling on Mount Zion. For there the Lord bestows his blessing, even life forevermore.

---

---

---

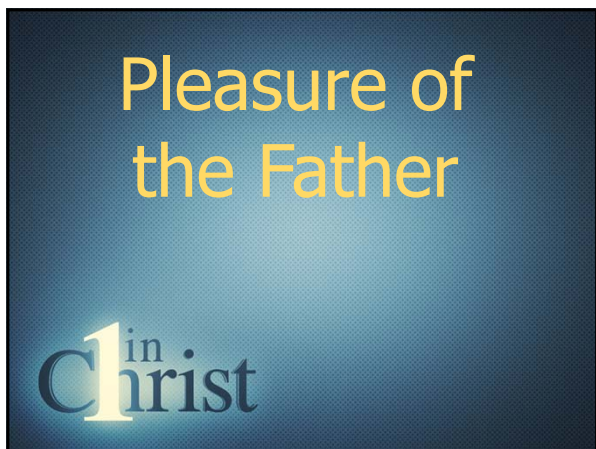
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

Prayer of the Son

John 13:34 "A new command I give you: Love one another. As I have loved you, so you must love one another. 35 By this everyone will know that you are my disciples, if you love one another."

---

---

---

---

---

---

---

---

Prayer of the Son

John 17: 20 "My prayer is not for them alone. I pray also for those who will believe in me through their message, 21 that all of them may be one, Father, just as you are in me and I am in you.

---

---

---

---

---

---

---

---

May they also be in us so that the world may believe that you have sent me. 22 I have given them the glory that you gave me, that they may be one as we are one— 23 I in them and you in me—so that they may be brought to complete unity.

---

---

---

---

---

---

---

---

# Prayer of the Son

**1**<sup>in</sup> Christ

---

---

---

---

---

---

---

---

**Priority of the Spirit**  
Acts 2: 42 They devoted themselves to the apostles' teaching and to fellowship, to the breaking of bread and to prayer. 43 Everyone was filled with awe at the many wonders and signs performed by the apostles. 44 All the believers were together and had everything in common. 45 They sold property and possessions to give to anyone who had need.

---

---

---

---

---

---

---

---

**Priority of the Spirit**  
46 Every day they continued to meet together in the temple courts. They broke bread in their homes and ate together with glad and sincere hearts, 47 praising God and enjoying the favor of all the people. And the Lord added to their number daily those who were being saved.

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

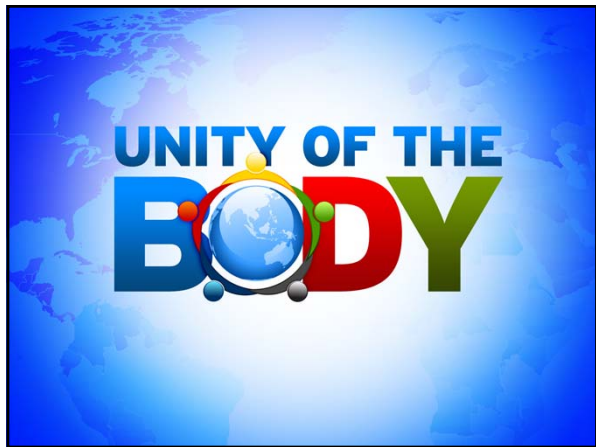
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---